आलोचना

त्रैमासिक

2003

सहस्राब्दी अंक पन्द्रह

अक्टूबर-दिसम्बर

प्रधान सम्पादक

नामवर सिंह

SALTOC Project
Title: Ālocanā (Delhi, India)
Imprint: Dillī : Rājakamala Prakāśana Prāiveṭa lī
OCLC: 4094931
No. 15 (Oct-Dec 2003)
TOC Provided by Center for Research Libraries

सम्पादक

परमानन्द श्रीवास्तव

सहसम्पादक

आर. चेतनक्रान्ति

कला सम्पादक

हरीश आनन्द

प्रबन्ध सम्पादक

अशोक महेश्वरी

अनुक्रम

संपादकीय : विभाजन की त्रासदी 5

सृजन-परिदृश्य

सुंदरचंद ठाकुर की दस कविताएँ 7
बद्रीनारायण की चार कविताएँ 13

संवाद : विचारधारा और सौन्दर्यशास्त्र

हिन्दी का सौन्दर्यशास्त्र : **खगेन्द्र ठाकुर** 16
सौन्दर्यबोध और विचारधारा का सम्बन्ध : **शम्भु गुप्त** 28
भक्तिकाव्य : वैकल्पिक समाज का सौन्दर्य : **गोपेश्वर सिंह** 34
सौन्दर्य की अवधारणा और निराला की काव्य-दृष्टि : **नन्दकिशोर नवल** 43
अँधेरों का सौन्दर्यशास्त्र : **रमेश दवे** 52

जन्मशती स्मरण : यशपाल/भगवतीचरण वर्मा

उपन्यासों के स्वर : बातचीत : **यशपाल, भगवतीचरण वर्मा, उपेन्द्रनाथ 'अश्क' और अज्ञेय** 56
यशपाल के उपन्यासों का पुनर्पाठ : स्त्री-मुक्ति परिप्रेक्ष्य : **रोहिणी अग्रवाल** 60

मूल्यांकन-परिदृश्य

कितने पाकिस्तान : प्रेत का बयान : **प्रफुल्ल कोलख्यान** 74
कथा की अंतर्वस्तु का सौन्दर्य : **कपिलदेव** 81
उपन्यास का समय और समाज : **भवदेव पाण्डेय** 89
तीसरे रास्ते की खोज में कविता : **लीलाधर मंडलोई** 95
कला और राजनीति : विश्वनाथप्रताप सिंह की संवेदनशीलता का साक्ष्य : **कुँवर नारायण** 98

भारतीय सौन्दर्य सिद्धांत की नयी परिभाषा : **रामचन्द्र तिवारी** 100
पिरथी का दूसरा छोर : **तेजिन्दर** 110

आलोचना-परिदृश्य

लोकवृत्त : हिन्दी भाषा का या हिन्दी प्रदेश का ? : **पुरुषोत्तम अग्रवाल** 113
हिन्दी नवजागरण और राजा शिवप्रसाद सितार-ए-हिन्द : **धीरेन्द्रनाथ सिंह** 126
उत्तर आधुनिकता और भारत :
निजी सम्पत्ति और श्रम सम्पत्ति की जैव सामाजिकी का द्वन्द्व : **विनोद शाही** 135
आनंदकुमार स्वामी और भारतीय सौन्दर्यशास्त्र की परम्परा : **चंद्रशेखर जहागीरदार** 143